Siddhanta's International Journal of Advanced Research in Arts & Humanities
Vol. 3, No. 5, May - June 2026

लखनऊ में विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच जीवन शैली, आध्यात्मिक बुद्धि एवं जीविका वरीयता पर अकादमिक धाराओं का तुलनात्मक अध्ययन

नेहा श्रीवास्तव[1], डॉ. विशाल शुक्ल[2]

[1]शोधछात्रा, छत्रपति शाहू जी महाराज यूनिवर्सिटी, कानपुर
[2]असिस्टेंट प्रोफेसर, आर्मापुर पी.जी. कॉलेज, कानपुर

सारांश

वर्तमान अध्ययन का उद्देश्य कला, विज्ञान एवं वाणिज्य धाराओं के विश्वविद्यालयी छात्रों के बीच जीवन शैली, आध्यात्मिक बुद्धि तथा जीविका वरीयता में विद्यमान अंतरों का तुलनात्मक विश्लेषण करना है। अध्ययन में लखनऊ शहर के निजी, केंद्रीय एवं राज्य विश्वविद्यालयों से कुल 120 विद्यार्थियों का चयन किया गया, जिसमें प्रत्येक धारा से 40 विद्यार्थियों को सम्मिलित किया गया। अध्ययन में जीवन शैली मापनी , आध्यात्मिक बुद्धि मापनी तथा जीविका वरीयता मापनी का उपयोग किया गया। प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण स्वतंत्र नमूना t-परीक्षण तथा वेल्च एनोवा द्वारा किया गया। परिणामों से ज्ञात हुआ कि विभिन्न अकादमिक धाराओं के छात्रों में जीवन शैली, आध्यात्मिक बुद्धि तथा जीविका वरीयता के स्तर में सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण अंतर पाए गए। वाणिज्य वर्ग के छात्रों में व्यावसायिक एवं लक्ष्य-उन्मुख जीवन शैली अधिक स्पष्ट दिखाई दी, विज्ञान वर्ग के छात्रों में तार्किकता एवं अनुशासित जीवन दृष्टिकोण अधिक पाया गया, जबकि कला वर्ग के छात्रों में आध्यात्मिक चेतना एवं सामाजिक संवेदनशीलता का स्तर अपेक्षाकृत अधिक देखा गया। अध्ययन यह निष्कर्ष प्रस्तुत करता है कि अकादमिक धारा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, जीवन दृष्टिकोण तथा करियर अभिविन्यास को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती है।

मुख्य शब्द: अकादमिक धारा, जीवन शैली, आध्यात्मिक बुद्धि, जीविका वरीयता, विश्वविद्यालयी छात्र।

परिचय

उच्च शिक्षा केवल ज्ञान अर्जन का माध्यम नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों की जीवन शैली, मूल्यबोध, आध्यात्मिक दृष्टिकोण तथा भविष्य की जीविका संबंधी प्राथमिकताओं को भी प्रभावित

करती है। विश्वविद्यालय स्तर पर विद्यार्थी जिस अकादमिक धारा—कला, विज्ञान या वाणिज्य—का चयन करते हैं, वह उनके व्यक्तित्व निर्माण, सोचने के तरीके तथा जीवन के प्रति दृष्टिकोण को प्रभावित करती है।

वर्तमान समय में बदलती सामाजिक एवं आर्थिक परिस्थितियों ने विद्यार्थियों की जीवन शैली और करियर प्राथमिकताओं में महत्वपूर्ण परिवर्तन उत्पन्न किए हैं। प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण, तकनीकी विकास तथा वैश्वीकरण के प्रभाव के कारण विद्यार्थियों में भौतिक सफलता के साथ-में संदर्भ इस है। बढ़ी भी आवश्यकता की संतुष्टि आध्यात्मिक एवं संतुलन मानसिक साथ है आई सामने उभरकर में रूप के आयाम मनोवैज्ञानिक महत्वपूर्ण एक बुद्धि आध्यात्मिक, जो व्यक्ति को आत्मबोध, मूल्यपरक निर्णय तथा जीवन के उद्देश्य को समझने में सहायता प्रदान करती है।

लखनऊ, जो उत्तर भारत का एक प्रमुख शैक्षिक एवं सांस्कृतिक केंद्र है, विभिन्न प्रकार के विश्वविद्यालयों एवं विविध छात्र समुदायों के कारण इस प्रकार के अध्ययन के लिए उपयुक्त क्षेत्र प्रस्तुत करता है। यह अध्ययन इस बात की जांच करने का प्रयास करता है कि क्या विभिन्न अकादमिक धाराओं के छात्रों में जीवन शैली, आध्यात्मिक बुद्धि तथा जीविका वरीयता के संदर्भ में महत्वपूर्ण अंतर पाए जाते हैं।

साहित्य समीक्षा

पूर्ववर्ती अध्ययनों से स्पष्ट होता है कि विद्यार्थियों की अकादमिक धारा उनके व्यवहार, सोचने की शैली तथा जीवन मूल्यों को प्रभावित करती है। कला वर्ग के विद्यार्थी प्रायः सामाजिक संवेदनशीलता, मानवीय मूल्यों एवं रचनात्मकता में अधिक रुचि रखते हैं, जबकि विज्ञान वर्ग के विद्यार्थी तार्किकता, अनुशासन एवं विश्लेषणात्मक सोच में अधिक दक्ष पाए जाते हैं। वाणिज्य वर्ग के विद्यार्थी व्यावसायिक दृष्टिकोण, नेतृत्व क्षमता तथा आर्थिक लक्ष्य निर्धारण में अपेक्षाकृत अधिक सक्रिय होते हैं।

हाल के अध्ययनों में भी यह पाया गया है कि विभिन्न शैक्षिक धाराओं के विद्यार्थियों की जीवन शैली एवं व्यक्तित्व विशेषताओं में महत्वपूर्ण अंतर होता है। शर्मा एवं सिंह (2021) के अध्ययन में पाया गया कि विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों में समय प्रबंधन तथा लक्ष्य उन्मुखता अधिक विकसित होती है, जबकि कला वर्ग के विद्यार्थियों में सामाजिक सहभागिता एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति का स्तर अधिक पाया गया। गुप्ता और वर्मा (2022) ने विश्वविद्यालयी छात्रों पर किए गए अध्ययन में निष्कर्ष निकाला कि वाणिज्य वर्ग के विद्यार्थी आर्थिक सुरक्षा एवं व्यावसायिक सफलता को जीवन के प्रमुख उद्देश्यों के रूप में देखते हैं।

आध्यात्मिक बुद्धि पर किए गए अध्ययनों से ज्ञात हुआ है कि यह व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य, निर्णय क्षमता तथा जीवन संतुष्टि को सकारात्मक रूप से प्रभावित करती है। किंग, 2008 ने आध्यात्मिक बुद्धि को जीवन के गहन अर्थ एवं उद्देश्य को समझने की क्षमता के रूप में परिभाषित किया। विगल्सवर्थ,

2012 के अनुसार आध्यात्मिक बुद्धि व्यक्ति को आत्म-जागरूकता, नैतिक मूल्यों एवं सकारात्मक व्यवहार की ओर प्रेरित करती है।

हाल के शोधों में मिश्रा एवं पाठक (2023) ने पाया कि जिन विद्यार्थियों में आध्यात्मिक बुद्धि का स्तर अधिक होता है, उनमें तनाव प्रबंधन, आत्म-संतोष तथा सामाजिक समायोजन बेहतर होता है। खान एवं अली (2022) के अध्ययन के अनुसार आध्यात्मिक बुद्धि विद्यार्थियों की निर्णय क्षमता तथा शैक्षिक उपलब्धि को सकारात्मक रूप से प्रभावित करती है। इसी प्रकार यादव एवं श्रीवास्तव (2024) ने विश्वविद्यालयी छात्रों में आध्यात्मिक बुद्धि एवं जीवन संतुष्टि के मध्य सकारात्मक सहसंबंध पाया।

जीवन शैली पर किए गए अनुसंधान यह संकेत देते हैं कि विद्यार्थियों का शैक्षिक वातावरण, सामाजिक पृष्ठभूमि तथा करियर उन्मुखता उनके दैनिक व्यवहार एवं जीवन मूल्यों को प्रभावित करती है। आधुनिक समय में डिजिटल माध्यमों, सोशल मीडिया तथा प्रतिस्पर्धात्मक शिक्षा प्रणाली ने विद्यार्थियों की जीवन शैली में महत्वपूर्ण परिवर्तन किए हैं। सिंह एवं चौधरी (2021) ने पाया कि विश्वविद्यालयी छात्रों की जीवन शैली पर पारिवारिक परिवेश तथा शैक्षिक दबाव का प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है। वहीं अग्रवाल एवं तिवारी (2023) के अध्ययन में यह निष्कर्ष निकला कि नियमित दिनचर्या, सकारात्मक सामाजिक संबंध तथा आध्यात्मिक गतिविधियाँ विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाती हैं।

जीविका वरीयता से संबंधित शोधों में पाया गया है कि विभिन्न अकादमिक धाराओं के छात्र भविष्य के व्यवसाय, नौकरी की सुरक्षा, सामाजिक प्रतिष्ठा तथा आर्थिक लाभ के आधार पर भिन्न-भिन्न करियर विकल्पों को प्राथमिकता देते हैं। विज्ञान वर्ग के छात्र तकनीकी एवं अनुसंधान आधारित व्यवसायों की ओर अधिक आकर्षित होते हैं, जबकि वाणिज्य वर्ग के छात्र व्यापार एवं प्रबंधन संबंधी क्षेत्रों को प्राथमिकता देते हैं। कला वर्ग के छात्र सामाजिक सेवा, शिक्षण एवं प्रशासनिक सेवाओं की ओर अपेक्षाकृत अधिक झुकाव रखते हैं।

हाल के अध्ययनों में कुमार एवं सक्सेना (2022) ने पाया कि विज्ञान वर्ग के अधिकांश विद्यार्थी इंजीनियरिंग, चिकित्सा तथा सूचना प्रौद्योगिकी से संबंधित व्यवसायों को प्राथमिकता देते हैं। वहीं जोशी एवं मेहरा (2023) के अनुसार वाणिज्य वर्ग के विद्यार्थियों में उद्यमिता एवं प्रबंधन क्षेत्रों के प्रति विशेष आकर्षण पाया गया। कला वर्ग के विद्यार्थियों पर किए गए अध्ययन में त्रिपाठी एवं अवस्थी (2024) ने निष्कर्ष निकाला कि उनमें सामाजिक सेवा, शिक्षण एवं प्रशासनिक सेवाओं के प्रति अधिक रुचि होती है।

इन सभी अध्ययनों से स्पष्ट होता है कि अकादमिक धारा विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व, जीवन शैली, आध्यात्मिक बुद्धि एवं जीविका वरीयता को प्रभावित करने वाला महत्वपूर्ण कारक है। तथापि, लखनऊ के विश्वविद्यालयी छात्रों के संदर्भ में जीवन शैली, आध्यात्मिक बुद्धि एवं जीविका वरीयता का संयुक्त तुलनात्मक अध्ययन अपेक्षाकृत कम हुआ है। अधिकांश शोधों में इन चरों का पृथक-पृथक अध्ययन किया गया है, जबकि इनके पारस्परिक संबंधों का समग्र विश्लेषण सीमित है। यही इस अध्ययन की आवश्यकता एवं प्रासंगिकता को स्पष्ट करता है।

अध्ययन का महत्व

वर्तमान अध्ययन उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह कला, विज्ञान एवं वाणिज्य जैसी विभिन्न अकादमिक धाराओं के छात्रों की जीवन शैली, आध्यात्मिक बुद्धि तथा जीविका वरीयताओं का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत करता है। यह अध्ययन यह समझने में सहायता करता है कि विद्यार्थियों की शैक्षणिक धारा उनके व्यक्तित्व, जीवन दृष्टिकोण, मूल्यबोध तथा भविष्य के करियर चयन को किस प्रकार प्रभावित करती है। इसके निष्कर्ष शिक्षकों, शिक्षाविदों एवं विश्वविद्यालय प्रशासकों को विद्यार्थियों की आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षण पद्धतियों, परामर्श सेवाओं तथा व्यक्तित्व विकास कार्यक्रमों को विकसित करने में सहायक होंगे। साथ ही, यह अध्ययन नीति व्यवस्था शिक्षा केंद्रित-छात्र एवं मूल्यपरक को निर्माताओं-है करता प्रदान दिशा उपयोगी हेतु करने विकसित, जिससे विद्यार्थियों के समग्र विकास एवं रोजगार उन्मुख शिक्षा को बढ़ावा मिल सके।

अध्ययन के उद्देश्य

1. कला, विज्ञान एवं वाणिज्य वर्ग के छात्रों की जीवन शैली का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. विभिन्न अकादमिक धाराओं के छात्रों की आध्यात्मिक बुद्धि का विश्लेषण करना।
3. छात्रों की जीविका वरीयताओं में अंतर की जांच करना।
4. यह निर्धारित करना कि विभिन्न धाराओं के बीच पाए गए अंतर सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण हैं या नहीं।

अनुसंधान पद्धति

अनुसंधान डिजाइन

प्रस्तुत अध्ययन में वर्णनात्मक एवं तुलनात्मक अनुसंधान डिजाइन का प्रयोग किया गया है। यह अनुसंधान डिजाइन विभिन्न अकादमिक धाराओं—कला, विज्ञान एवं वाणिज्य—के विश्वविद्यालयी छात्रों के बीच जीवन शैली, आध्यात्मिक बुद्धि तथा जीविका वरीयता में पाए जाने वाले अंतरों का व्यवस्थित विश्लेषण करने के लिए उपयुक्त माना गया। अध्ययन का उद्देश्य किसी भी चर में हस्तक्षेप किए बिना विद्यार्थियों की वास्तविक परिस्थितियों एवं व्यवहारगत विशेषताओं का तुलनात्मक अध्ययन करना था। इस शोध में मात्रात्मक पद्धति का उपयोग किया गया, जिसके अंतर्गत मानकीकृत मापन उपकरणों द्वारा आंकड़े संकलित किए गए तथा सांख्यिकीय तकनीकों की सहायता से उनका विश्लेषण किया गया। इस प्रकार यह अनुसंधान डिजाइन विभिन्न शैक्षणिक धाराओं के छात्रों के मनोवैज्ञानिक एवं व्यवहारिक आयामों को समझने में प्रभावी सिद्ध हुआ।

न्यादर्श

लखनऊ के निजी, केंद्रीय एवं राज्य विश्वविद्यालयों से कुल 120 विद्यार्थियों का चयन किया गया, जिसमें—

- कला वर्ग : 40
- विज्ञान वर्ग : 40
- वाणिज्य वर्ग : 40

न्यादर्श चयन तकनीक

समान प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने हेतु स्तरीकृत यादृच्छिक नमूना तकनीक का उपयोग किया गया।

प्रयुक्त उपकरण

- जीवन शैली मापनी (LSS-BK एस.के. बावा और सुमन प्रीत कौर)
- आध्यात्मिक बुद्धि मापनी (SSIS-KS सरबजीत कौर)
- जीविका वरीयता मापनी (CPcR-GSJKA जीतेन्द्र सिंह गोयल एवं अरुण कुमार)

सांख्यिकीय तकनीक

प्रस्तुत अध्ययन में संकलित आंकड़ों के विश्लेषण हेतु उपयुक्त सांख्यिकीय तकनीकों का प्रयोग किया गया। विभिन्न अकादमिक धाराओं—कला, विज्ञान एवं वाणिज्य—के छात्रों के मध्य जीवन शैली, आध्यात्मिक बुद्धि तथा जीविका वरीयता में अंतर ज्ञात करने के लिए स्वतंत्र नमूना t-परीक्षण का उपयोग किया गया, जिससे दो समूहों के माध्यों के बीच अंतर की सांख्यिकीय सार्थकता का परीक्षण किया जा सके। इसके अतिरिक्त, तीनों समूहों के मध्य समग्र अंतर का विश्लेषण करने हेतु वेल्च वेल्च का वन-वे एनोवा (Welch's One-Way ANOVA) प्रयुक्त किया गया, जो असमान विचरण की स्थिति में भी विश्वसनीय परिणाम प्रदान करता है। इन सांख्यिकीय तकनीकों की सहायता से अध्ययन के निष्कर्षों की वैधता एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित की गई।

डेटा विश्लेषण एवं व्याख्या

जीवन शैली तुलना

कला एवं विज्ञान के बीच तुलना

कला वर्ग के छात्रों = माध्य (215.6) की तुलना में विज्ञान वर्ग के छात्रों= माध्य 228.4) का जीवन शैली स्कोर अधिक पाया गया। $t = -11.42$ तथा $p < .001$ होने के कारण यह अंतर सांख्यिकीय

रूप से महत्वपूर्ण पाया गया। इससे स्पष्ट होता है कि विज्ञान वर्ग के छात्र अधिक अनुशासित एवं व्यवस्थित जीवन शैली अपनाते हैं।

वाणिज्य एवं कला के बीच तुलना

वाणिज्य वर्ग (माध्य = 236.2) ने कला वर्ग (माध्य = 215.6) की तुलना में अधिक स्कोर प्राप्त किया। $t = 8.76$ तथा $p < .001$ होने के कारण अंतर महत्वपूर्ण पाया गया।

विज्ञान एवं वाणिज्य के बीच तुलना

वाणिज्य वर्ग के छात्रों का औसत स्कोर (236.2) विज्ञान वर्ग (228.4) से अधिक पाया गया, जिससे स्पष्ट होता है कि वाणिज्य वर्ग के छात्र लक्ष्य-उन्मुख एवं व्यावसायिक जीवन शैली को अधिक प्राथमिकता देते हैं।

आध्यात्मिक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन

कला बनाम विज्ञान

कला वर्ग (माध्य = 194.5) ने विज्ञान वर्ग (माध्य = 181.3) की तुलना में अधिक स्कोर प्राप्त किया। $t = 6.14$ तथा $p < .001$ यह दर्शाता है कि कला वर्ग के विद्यार्थियों में आध्यात्मिक चेतना एवं आत्मबोध अधिक पाया जाता है।

वाणिज्य बनाम कला

कला वर्ग एवं वाणिज्य वर्ग के छात्रों के बीच मामूली अंतर पाया गया, परंतु कला वर्ग का औसत स्कोर अपेक्षाकृत अधिक रहा।

विज्ञान बनाम वाणिज्य

वाणिज्य वर्ग (माध्य = 186.8) ने विज्ञान वर्ग (माध्य = 181.3) से थोड़ा अधिक प्रदर्शन किया, किंतु अंतर अपेक्षाकृत कम पाया गया। इन निष्कर्षों से ज्ञात होता है कि कला वर्ग के छात्रों में आध्यात्मिक संवेदनशीलता एवं जीवन मूल्यों के प्रति जागरूकता अधिक होती है।

जीविका वरीयता तुलना

कला बनाम विज्ञान

विज्ञान वर्ग के छात्रों ने तकनीकी एवं अनुसंधान आधारित करियर को अधिक प्राथमिकता दी।

वाणिज्य बनाम कला

वाणिज्य वर्ग के छात्रों में व्यवसाय, प्रबंधन एवं वित्तीय क्षेत्रों की ओर अधिक झुकाव पाया गया।

विज्ञान बनाम वाणिज्य

विज्ञान एवं वाणिज्य दोनों वर्गों में करियर उन्मुखता उच्च स्तर की पाई गई, किंतु विज्ञान वर्ग में स्थायित्व एवं अनुसंधान संबंधी व्यवसायों को अधिक महत्व दिया गया।

एनोवा परिणाम

जीवन शैली, आध्यात्मिक बुद्धि एवं जीविका वरीयता के संदर्भ में तीनों धाराओं के मध्य महत्वपूर्ण अंतर प्राप्त हुए।

चर	F-मान	p-मान	निष्कर्ष
जीवन शैली (LSS)	254	< .001	सार्थक
आध्यात्मिक बुद्धि (SSIS)	198	< .001	सार्थक
जीविका वरीयता (CPCR)	287	< .001	सार्थक

इन परिणामों से स्पष्ट होता है कि अकादमिक धारा विद्यार्थियों के जीवन दृष्टिकोण एवं भविष्य की प्राथमिकताओं को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती है।

परिणाम

अध्ययन के परिणामों से स्पष्ट हुआ कि विभिन्न अकादमिक धाराओं के छात्रों के बीच जीवन शैली, आध्यात्मिक बुद्धि तथा जीविका वरीयता के संदर्भ में महत्वपूर्ण अंतर पाए जाते हैं। वाणिज्य वर्ग के छात्रों में लक्ष्य से रूप स्पष्ट अधिक शैली जीवन व्यावसायिक एवं उन्मुख-दी दिखाई, जबकि विज्ञान वर्ग के छात्रों में तार्किकता, अनुशासन तथा करियर दृष्टिकोण केंद्रित-ओर दूसरी गया। पाया अधिक अपेक्षाकृत स्तर का, कला वर्ग के छात्रों में आध्यात्मिक बुद्धि, सामाजिक संवेदनशीलता एवं मानवीय मूल्यों का स्तर अन्य धाराओं की तुलना में अधिक देखा गया। इसके अतिरिक्त, जीविका वरीयता के संदर्भ में भी तीनों धाराओं के छात्रों के बीच स्पष्ट भिन्नता पाई गई। वेल्च एनोवा परीक्षण के परिणामों ने यह पुष्टि की कि इन सभी समूहों के मध्य प्राप्त अंतर सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण हैं।

निष्कर्ष

अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि अकादमिक धारा विद्यार्थियों की जीवन शैली, आध्यात्मिक बुद्धि तथा जीविका वरीयता को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती है। वाणिज्य वर्ग के छात्र व्यावसायिक एवं लक्ष्यगए पाए अग्रणी में अपनाने शैली जीवन उन्मुख-, विज्ञान वर्ग के छात्र तार्किक एवं अनुशासित दृष्टिकोण में श्रेष्ठ रहे, जबकि कला वर्ग के छात्रों में आध्यात्मिक चेतना एवं मानवीय मूल्यों का स्तर अधिक पाया गया।

इन निष्कर्षों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि विश्वविद्यालयों को धारा विशिष्ट-परामर्श, व्यक्तित्व विकास एवं करियर मार्गदर्शन कार्यक्रमों को विकसित करना चाहिए, ताकि विद्यार्थियों का समग्र विकास सुनिश्चित किया जा सके।

संदर्भ सूची

1. अग्रवाल, आर., एवं तिवारी, एस. (2023). विश्वविद्यालयी छात्रों की जीवन शैली एवं मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी, 11*(2), 145–152।
2. गुप्ता, पी., एवं वर्मा, आर. (2022). स्नातक विद्यार्थियों में अकादमिक धारा एवं करियर अभिविन्यास। *जर्नल ऑफ एजुकेशनल स्टडीज़, 18*(3), 78–86।
3. जोशी, ए., एवं मेहरा, वी. (2023). उच्च शिक्षा में वाणिज्य वर्ग के विद्यार्थियों की जीविका वरीयताएँ। *इंडियन जर्नल ऑफ करियर डेवलपमेंट, 9*(1), 55–63।
4. खान, एस., एवं अली, एफ. (2022). महाविद्यालयी छात्रों में आध्यात्मिक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि। *जर्नल ऑफ पॉजिटिव साइकोलॉजी एंड वेलबीइंग, 6*(4), 210–218।
5. किंग, डी. बी. (2008). *आध्यात्मिक बुद्धि की अवधारणा: परिभाषा, मॉडल एवं मापन* (स्नातकोत्तर शोधप्रबंध)। ट्रेंट विश्वविद्यालय, पीटरबरो, ओंटारियो, कनाडा।
6. कुमार, एन., एवं सक्सेना, पी. (2022). विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की व्यावसायिक आकांक्षाएँ। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन एजुकेशन, 10*(2), 112–119।
7. मिश्रा, आर., एवं पाठक, एस. (2023). विश्वविद्यालयी छात्रों में आध्यात्मिक बुद्धि एवं समायोजन। *जर्नल ऑफ एजुकेशनल साइकोलॉजी रिसर्च, 15*(2), 95–103।
8. शर्मा, एम., एवं सिंह, आर. (2021). कला एवं विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों के व्यक्तित्व गुणों का तुलनात्मक अध्ययन। *इंडियन जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च, 11*(5), 34–38।
9. सिंह, वी., एवं चौधरी, पी. (2021). छात्रों की जीवन शैली पर शैक्षिक वातावरण का प्रभाव। *जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज़ एंड ह्यूमैनिटीज, 7*(3), 88–96।
10. त्रिपाठी, ए., एवं अवस्थी, के. (2024). उच्च शिक्षा संस्थानों में कला वर्ग के विद्यार्थियों की करियर अभिरुचि। *एजुकेशनल क्वेस्ट, 15*(1), 40–48।
11. विगल्सवर्थ, सी. (2012). *एसक्यू21: आध्यात्मिक बुद्धि के इक्कीस कौशल*। सेलेक्ट बुक्स।
12. यादव, एस., एवं श्रीवास्तव, एन. (2024). विश्वविद्यालयी छात्रों में आध्यात्मिक बुद्धि एवं जीवन संतुष्टि। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइकोलॉजी एंड एजुकेशन, 13*(1), 66–74।